

कंकड़बाग व बहादुरपुर में जनवरी में निर्माण कार्य होगा शुरू, कम कीमत पर अत्याधुनिक आवासीय सुविधाएं होंगी उपलब्ध

बन गया मॉडल, जल्द सच होगा फ्लैट का सपना

पटना | वरीय संवाददाता

कम कीमत पर बहुमंजिली इमारतों में फ्लैट का सपना पूरा होने को है। पटना के दो स्थानों समेत राज्य के तीन और शहरों में बनाए जाने वाली बहुमंजिली इमारतों का खाका तैयार कर लिया गया है। बिहार राज्य आवास बोर्ड ने इसका मॉडल भी बना लिया है। शीघ्र ही प्रोजेक्ट का मॉडल सार्वजनिक किया जाएगा।

पटना के कंकड़बाग और बहादुरपुर में अगले वर्ष जनवरी में निर्माण कार्य शुरू हो जाएगा। 2013 के अंत तक पोजिशन देने का लक्ष्य है। शहर में आम लोगों को उन्नत आवासीय सुविधा उपलब्ध कराने

के उद्देश्य से बोर्ड की ओर से बनायी जाने वाली आवासीय कॉलोनी में ट्रेनेज-सिक्वेज, बिजली, पेयजल, पार्क, सड़क समेत सभी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने के बाद लोगों को फ्लैट आवंटित किए जाएंगे।

पहले चरण में 18 हजार आवासीय फ्लैट बनाए जाएंगे। पटना, भागलपुर, मुजफ्फरपुर और गया में प्रोजेक्ट शुरू करने के बाद राज्य के शहरों में भी बेहतर सुविधाओं के साथ कॉलोनियां बनाई जाएगी। इन शहरों में आवासीय कॉलोनियों के पास ही शॉपिंग मॉल का भी निर्माण कराया जाएगा। आवासीय कॉलोनियों में निम्न से लेकर उच्च आय

खासियत

- 16 तल्ले का होगा भवन, एक हजार वर्गफीट का होगा फ्लैट
- सभी भवन होंगे भूकंपरोधी, 30 से 40 फीसदी जमीन पर निर्माण
- पार्क का रहेगा प्रबंध, बरसात में नहीं होगी जलजमाव की समस्या
- कई सुविधाएं भी मिलेंगी



कहां कितने फ्लैट

कंकड़बाग	बहादुरपुर	गया	मुजफ्फरपुर	भागलपुर	इन जगहों पर मॉल भी बनाए जाएंगे
3000	1500	10000	3000	500	

वर्ग के लोगों के लिए किफायती दर फ्लैट बनाए जाएंगे।

छोटे शहरों में भी बनाए जाएंगे अपार्टमेंट

राज्य के सिर्फ बड़े शहरों में ही नहीं बल्कि छोटे शहरों में भी बहुमंजिली इमारतें बनाने की योजना है। आरा, मोकामा, जहानाबाद, छपरा व सोवान जैसे छोटे शहरों में भी अपार्टमेंट कल्चर विकसित किया जाएगा। ऐसे शहरों में भी आधुनिक सुविधाओं के साथ लोगों को अपार्टमेंट में फ्लैट उपलब्ध कराया जाएगा। बिहार राज्य आवास बोर्ड ने इस योजना पर काम करना शुरू कर दिया है। इसके लिए जमीन की खोज की

जा रही है।

बोर्ड का मानना है कि छोटे शहरों में बोर्ड की ओर से अपार्टमेंट बनाए जाने के बाद निजी बिल्डर भी वहां निर्माण करने के लिए आकर्षित होंगे और शहर का तेजी से विकास होगा। बढ़ती आबादी और जमीन की कमी के कारण बहुमंजिली इमारतों के सिवा दूसरा कोई विकल्प नहीं है।

बोर्ड के प्रबंध निदेशक अनुपम कुमार सुमन के मुताबिक कम कीमत पर बेहतर सुविधा के साथ आवास उपलब्ध कराना बोर्ड का लक्ष्य है। कंकड़बाग के रेंटल फ्लैट के आवंटियों पर कोई अतिरिक्त बोझ नहीं दिया जाएगा।